23 जून 2022 : PIB विश्लेषण

विषयसूची:

1. राष्ट्रीय बाजरा सम्मेलन
2. भारतीय वायु सेना का पहला कैपस्टोन सेमिनार
3. निर्यात पोर्टल (राष्ट्रीय आयात-निर्यात वार्षिक व्यापार विश्लेषण रिकॉर्ड) का शुभारंभ

1. राष्ट्रीय बाजरा सम्मेलन

सामान्य अध्ययन: 3

खाद्य प्रसंस्करण:

विषय: खाद्य और पोषण सुरक्षा।

प्रारंभिक परीक्षा: राष्ट्रीय बाजरा सम्मेलन के बारे में तथ्य।

संदर्भ:

- केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री ने **'भारत के लिए भविष्य का सुपर फूड' विषय** पर राष्ट्रीय बाजरा सम्मेलन का उद्घाटन किया।

उद्देश्य:

- इस सम्मेलन का आयोजन खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए किया गया था।

विवरण:

- इस सम्मेलन का आयोजन उद्योग निकाय एसोचैम ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सहयोग से किया था।

- देश में मोटे अनाज का उत्पादन 2020-21 में बढ़कर 17.96 मिलियन टन हो गया है, जो 2015-16 में 14.52 मिलियन टन था और बाजरा (मोती बाजरा) का उत्पादन भी इसी अवधि में बढ़कर 10.86 मिलियन टन हो गया है।

बाजरे के बारे में:

- बाजरा देश के सबसे पुराने खाद्य पदार्थों में से एक रहा है। यह छोटे बीजों से उगाई जाने वाली फसल है जिसे शुष्क क्षेत्रों में या यहां तक कि कम उर्वरता वाली भूमि पर भी उगाया जा सकता है। यही कारण है कि इसे भारत के सुपरफूड के रूप में जाना जाता है।
- बाजरे की फसल लगभग 65 दिनों में तैयार हो जाती है। बाजरा फसल की यह विशेषता दुनिया की घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।
- अगर ठीक से इसे संग्रहित किया जाए तो बाजरा दो साल या उससे अधिक समय तक सुरक्षित रह सकता है।
- भारत में प्रमुख बाजरा उत्पादक राज्यों में हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना शामिल हैं।
- भारत दुनिया में बाजरा का 5वां सबसे बड़ा निर्यातक देश है।
- **वर्ष 2023 को बाजरा का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया गया है** जो खाद्य विकल्पों में मूल्य सृजन और टिकाऊ उत्पादों को बढ़ावा देगा।

भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (एसोचैम):

- भारतीय वाणिज्य एंव उद्योग मंडल (एसोचैम) भारत के वाणिज्य संघों की प्रतिनिधि संस्था है।
- इसकी स्थापना 1927 में हुई थी। वर्तमान में भारत की एक लाख से अधिक कंपनियाँ इसकी सदस्य हैं।
- एसोचैम भारत की वाणिज्य एवं व्यापार के हितों की रक्षा के लिये काम करता है।

प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की दृष्टि से कुछ महत्वपूर्ण तथ्य:

1. **भारतीय वायु सेना का पहला कैपस्टोन सेमिनार:**

- भारतीय वायु सेना नई दिल्ली स्थित वायु सेना सभागार में एक कैपस्टोन सेमिनार (संगोष्ठी) के साथ पहला **युद्ध और एयरोस्पेस रणनीति कार्यक्रम (WASP)** आयोजित कर रही है।

- यह सेमिनार कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर एंड सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज के अधीन आयोजित किया जाएगा।

- इस कैपस्टोन सेमिनार का लक्ष्य **युद्ध और एयरोस्पेस रणनीति कार्यक्रम** के शिक्षण उद्देश्यों को प्रदर्शित करना है।

- भारतीय वायु सेना की ओर से **युद्ध और एयरोस्पेस रणनीति कार्यक्रम** की अवधारणा रणनीतिक कौशल और युद्ध के इतिहास व सिद्धांत की गहरी समझ के साथ मिड-करियर वायु शक्ति कर्मियों के समूह निर्माण के उद्देश्य से की गई थी।

- इसका उद्देश्य प्रतिभागियों की सैद्धांतिक सोच को बढ़ाना और रणनीति पर प्रभावी तर्क के लिए उनकी योग्यता को विकसित करना है। यह संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण को लेकर विभिन्न विचारों और सिद्धांतों को शासन कला (स्टेटक्राफ्ट) से जोड़ने के संबंध में प्रतिभागियों की क्षमता में और अधिक बढ़ोतरी करेगा।

2. **निर्यात पोर्टल (राष्ट्रीय आयात-निर्यात वार्षिक व्यापार विश्लेषण रिकॉर्ड) का शुभारंभ:**

- प्रधानमंत्री ने **निर्यात पोर्टल (राष्ट्रीय आयात-निर्यात वार्षिक व्यापार विश्लेषण रिकॉर्ड)** का शुभारंभ किया।

- इसे विदेशी व्यापार से जुड़ी सारी जानकारियां एक ही जगह पर मुहैया कराने के लिए निर्मित किया गया है। यह विदेशी व्यापार से जुड़े सभी पक्षों के लिए सूचनाओं का वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म होगा।

- इस पोर्टल पर दुनिया के 200 से अधिक देशों को निर्यात किए जाने वाले 30 से अधिक कमोडिटी समूहों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी।

- इस पर आने वाले समय में जिलेवार निर्यात से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध होगी। इससे जिलों को निर्यात के महत्वपूर्ण केंद्रों के रूप में विकसित करने के प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।

- निर्यात- राष्ट्रीय आयात-निर्यात व्यापार वार्षिक विश्लेषण पोर्टल सभी हितधारकों को तत्काल डेटा प्रदान करके साइलो को तोड़ने में मदद करेगा।